SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Epigraphist

पुरालेखवेत्ता पत्थरों, ताम्रपत्रों, सिक्कों और मंदिरों पर खुदे प्राचीन अभिलेखों को पढ़कर इतिहास उजागर करते हैं। राजस्थान के शिलालेख और ताम्रपत्र इस काम के समृद्ध स्रोत हैं।

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/socst-4577

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

पुरालेखवेत्ता पत्थरों, ताम्रपत्रों, सिक्कों और मंदिरों पर खुदे प्राचीन अभिलेखों को पढ़कर इतिहास उजागर करते हैं। राजस्थान के शिलालेख और ताम्रपत्र इस काम के समृद्ध स्रोत हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं + इतिहास/पुरातत्व में स्नातक + पुरालेखशास्त्र में मास्टर/डिप्लोमा
कार्य-शैली	फ़ील्ड सर्वे + संग्रहालय/कार्यालय में अध्ययन
माँग	विशिष्ट — ए.एस.आई., संग्रहालयों व शोध में सीमित पर स्थिर पद
शीर्ष आय	निदेशक/प्रोफेसर स्तर पर ₹1.8 लाख+/माह

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- प्राचीन लिपियों और भाषाओं में जिज्ञासा
- इतिहास व संस्कृतियों को जोड़कर देखना
- स्वतंत्र रूप से गहन अध्ययन पसंद

क्षमताएँ

- बारीक अवलोकन और धैर्य
- तथ्यों को जोड़कर निष्कर्ष निकालना
- भाषाओं व लिपियों की पकड़

ज़रूरी कौशल

- ब्राह्मी, खरोष्ठी जैसी प्राचीन लिपियों का ज्ञान
- अभिलेखों की छाप (एस्टैम्पेज) लेना
- शोध लेखन व दस्तावेज़ीकरण
- संस्कृत, प्राकृत, फ़ारसी या क्षेत्रीय भाषाएँ
- तिथि-निर्धारण व ऐतिहासिक विश्लेषण
- डिजिटल इमेजिंग की बुनियादी समझ

4 कैसे पहुँचें

1. कला संकाय से 12वीं करें; इतिहास व भाषाएँ चुनें।
2. इतिहास, संस्कृत या पुरातत्व में स्नातक करें।
3. पुरालेखशास्त्र/प्राचीन इतिहास में मास्टर करें।
4. ए.एस.आई. के पुरातत्व संस्थान का पी.जी. डिप्लोमा (पुरालेख सहित) करें।
5. शोध के लिए पी.एच.डी. करें; ए.एस.आई. पुरालेख शाखा के पदों हेतु आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सी.यू.ई.टी. यू.जी./पी.जी. — विश्वविद्यालय प्रवेश हेतु
- यू.जी.सी.-नेट (इतिहास) — शोध व शिक्षण हेतु
- पुरातत्व संस्थान (ए.एस.आई.) की पी.जी. डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan (History & Indian Culture) — जयपुर, राजस्थान
- Jai Narain Vyas University — जोधपुर, राजस्थान
- Institute of Archaeology (ASI) — दिल्ली/ग्रेटर नोएडा
- The Maharaja Sayajirao University of Baroda — वडोदरा, गुजरात
- University of Mysore (epigraphy studies) — मैसूरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

- Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth — उदयपुर, राजस्थान
- Deccan College Post-Graduate & Research Institute — पुणे, महाराष्ट्र

ऑनलाइन

- IGNOU (MA History) — दूरस्थ शिक्षा

फ़ीस

कोर्स फीस लगभग ₹2,000 से ₹1,50,000 तक; सरकारी विश्वविद्यालयों व इग्नू में बहुत कम। संस्थान अनुसार भिन्न।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)

- Vidya Lakshmi Education Loan Portal (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

ए.एस.आई. पुरालेख शाखा, राज्य पुरातत्व विभाग, संग्रहालय, अभिलेखागार, विश्वविद्यालय और शोध संस्थान।

कार्य-संस्कृति

अभिलेख खोजने के लिए फ़ील्ड यात्राएँ और फिर कार्यालय/पुस्तकालय में पठन-लेखन; स्वतंत्र शोध का शांत माहौल। दिव्यांगों के लिए अवसर उपलब्ध।

कौन नौकरी देता है

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण — पुरालेख शाखा, मैसूरु
- राष्ट्रीय व राज्य अभिलेखागार
- विश्वविद्यालय व भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद
- राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग
- संग्रहालय व सांस्कृतिक संस्थान
- पांडुलिपि व विरासत परियोजनाएँ

माँग (2026)

यह विशिष्ट क्षेत्र है — पद सीमित पर प्रतिस्पर्धा भी कम; अभिलेखों के डिजिटलीकरण और विरासत परियोजनाओं से 2026 में नए अवसर बन रहे हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. शोध सहायक/इंटर्न
2. सहायक पुरालेखवेत्ता
3. पुरालेखवेत्ता/उप अधीक्षक
4. निदेशक (पुरालेख)/प्रोफेसर

कमाई

शुरुआत	₹25,000-40,000
मध्य स्तर	₹50,000-90,000
वरिष्ठ स्तर	₹1,00,000-1,80,000

ए.एस.आई. व विश्वविद्यालयों में नियमित सरकारी वेतनमान; शोध फेलोशिप से शुरुआती सहारा मिलता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- इतिहास को पहली बार पढ़ने का रोमांच
- कम प्रतिस्पर्धा वाला विशिष्ट क्षेत्र
- सरकारी शोध पदों की स्थिरता

चुनौतियाँ

- पद और रिक्तियाँ सीमित
- लंबी पढ़ाई और भाषा-साधना ज़रूरी
- दूरस्थ स्थलों की कठिन यात्राएँ

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Iravatham Mahadevan
विश्वविख्यात पुरालेखवेत्ता — तमिल-ब्राह्मी और सिंधु लिपि के विद्वान

सरकारी अधिकारी रहे इरावतम महादेवन ने नौकरी के साथ-साथ प्राचीन लिपियों की साधना की और तमिल-ब्राह्मी अभिलेखों का प्रामाणिक अध्ययन कर पद्मश्री तक पहुँचे।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Iravatham_Mahadevan

Snigdha Tripathy
इतिहासकार-पुरालेखवेत्ता — ओडिशा के अभिलेखों की विशेषज्ञ

स्निग्धा त्रिपाठी ने ओडिशा के सैकड़ों शिलालेखों और ताम्रपत्रों का अध्ययन कर कई खंडों की प्रामाणिक सूची तैयार की; वे ओडिशा शोध सोसाइटी की संस्थापक सदस्य और शोध पत्रिका की सह-संपादक रहीं।

Vedic Books (author bio) · https://www.vedicbooks.net/inscriptions-orissa-p-2251.html

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- राजनीति शास्त्री
- संग्रहालय विज्ञानी
- अपराध विज्ञानी

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस पोर्टल — आधिकारिक करियर पृष्ठ — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/epigraphist%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%96%e0%a4%b5%e0%a5%87%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%be/

2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण — पुरालेख शाखा — https://asi.nic.in/pages/Epigraphy-Branch/HQ

3. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in